



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India



### असाधारण

### EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 425]

नई दिल्ली, मंगलवार, अक्टूबर 23, 1979/कार्तिक 1, 1901

No. 425]

NEW DELHI, TUESDAY, OCTOBER 23, 1979/KARTIKA 1, 1901

इस भाग में मिथ्या पृष्ठ संलग्न की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(प्रौद्योगिक विकास विभाग)

प्रादेश

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर, 1979

सं. 620 (ग्र) /18A/उ०वि०वि०/79.—भारत सरकार के भूत्युर्व प्रौद्योगिक विकास मंत्रालय (प्रौद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. कांग्रा० 678(प्र) /18A/प्राई डी आर ए/72, तारीख 24 अक्टूबर, 1972 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) द्वारा भैरव काटंर पूलर ईड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड कलकत्ता नामक प्रौद्योगिक उपकरण का प्रबन्ध उम्म प्रादेश में निर्दिष्ट प्राधिकृत नियंत्रक द्वारा पांच वर्ष की अवधि के लाएँ ग्रहण किया गया था;

प्रौद्योगिक विकास विभाग की अधिकृतना सं. कांग्रा० 620 (ग्र) /18A/उ०वि०वि०/77, तारीख 19 अगस्त, 1977 द्वारा उस प्रादेश की अवधि 23 अक्टूबर, 1979 तक की, जिसमें वह तारीख भी सम्मिलित है, दो वर्ष की अवधि के लिए प्रौद्योगिक विभाग की अवधि के लाएँ ग्रहण किया गया था;

प्रौद्योगिक विभाग की अवधि के लाएँ ग्रहण किया गया था कि लोकहित में यह समीक्षीय है कि उक्त प्राधिकृत नियंत्रक का उक्त प्रौद्योगिक उपकरण के प्रबन्ध पर नियंत्रण 23 अक्टूबर, 1980 तक जिसमें वह तारीख भी सम्मिलित है, प्रौद्योगिक विभाग की अवधि के लिए प्रौद्योगिक विभाग की अवधि के लाएँ ग्रहण किया गया था;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18क की उपधारा (2) के परत्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त आदेश 23 अक्टूबर, 1980 तक, जिसमें वह तारीख भी सम्मिलित है, और प्रभावी बना रहेगा।

[का० म० १(९२)/७१-दी० य० सी०]

### MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDERS

New Delhi, the 23rd October, 1979

S.O. 590(E)/18A/IDRA/79.—Whereas by the order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development (Department of Industrial Development) No. S.O. 678(E)/18A/IDRA/72 dated the 24th October, 1972 hereinafter referred to as the said order, the management of the industrial undertaking known as Messrs. Carter Pooler and Company Private Limited, Calcutta, had been taken over by the Authorised Controller referred to in that order for a period of five years;

And whereas the duration of the said order has been extended for a further period of two years, that is, upto and inclusive of the 23rd October 1979 by Notification of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 620(E)/18A/IDRA/77, dated the 19th August, 1977;

And whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said industrial undertaking by the said Authorised Controller should continue for a further period upto and inclusive of the 23rd October, 1980;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (2) of the section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said order shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 23rd October, 1980.

[F. No. 1(92)/71-CUC]

B. ROY, Joint Secy.

का० शा० 391(अ)/18क/आई०झा०प्रा०ए०/79—केंद्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की शारा 18क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (श्रीद्वारिक विकास विभाग) के प्रादेश में का० शा० 266 (ई)/18क/आई०झा०प्रा०ए०/78, तारीख 13 प्रैल, 1978 में निम्नलिखित और संणोधन करती है अर्थात्:—

उक्त अधिनियम में—

(क) “अध्यक्ष” शीर्षक के नीचे पैरा 2 में, मद 1 और उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा अर्थात्:—  
1. “मंजर जनरल परमांगशू चौधरी”  
(ख) “सदस्य” शीर्षक के नीचे पैरा 2 में मद 2 और 3 और उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा अर्थात्:—  
2. श्री प्रार० के० आनन्द,  
डाईरेक्टर, उद्योग मंत्रालय,  
श्रीद्वारिक विकास विभाग।  
3. श्री के० मार्ग बन्धु।”

[का० सं० 2(24)/76-सी०य०सी०]

**S.O. 591(E)/18A/IDRA/79.**—In exercise of the powers conferred by section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby makes the following amendments in the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 266(E)/18A/IDRA/78 dated the 13th April, 1978 namely:—

In the said Order for serial numbers 1, 2 and 3 and the entries relating thereto, the following serial numbers and entries should be substituted, namely:—

1. Major General Premangshu Chowdhry.....Chairman  
2. Shri R. K. Anand,  
Director Ministry of Industry,  
Department of Industrial Development.....Member  
3. Shri K. Marga Banthu .....-do-

[F. No. 2(24)/76-CUC]

का० शा० 592(अ)/18क/आई०झा०प्रा०ए०/79.—केंद्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की शारा 18क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (श्रीद्वारिक विकास विभाग) के प्रादेश में का० शा० 852 (इ) 18 प्रम/आई०झा०प्रा०ए०/77, तारीख 23 दिसम्बर, 1977 में निम्नलिखित और संणोधन करती है अर्थात्:—

उक्त अधिनियम में,—

(क) “अध्यक्ष” शीर्षक के नीचे पैरा 2 में, मद 1 और उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—  
1. “मंजर जनरल परमांगशू चौधरी”  
(ख) “सदस्य” शीर्षक के नीचे पैरा 2 में, मद 2 और 3 और उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—  
2. श्री प्रार० के० आनन्द,  
डाईरेक्टर, उद्योग मंत्रालय,  
श्रीद्वारिक विकास विभाग।  
3. श्री के० मार्ग बन्धु”।

[का० सं० 2(44)/77-सी०य०सी०]

बी० याय, मयूर सचिव

**S.O. 592(E)/18AA/IDRA/79.**—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby makes the following amendments in the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 852(E)/18AA/IDRA/77, dated the 23rd December, 1977, namely:—

In the said Order (1) under the heading “Chairman”, for serial number 1 and the entry relating thereto, the following serial number and entry shall be substituted, namely:—

1. Major General Premangshu Chowdhry”;  
(2) under the heading “Members” for serial numbers 2 and 3 and the entries relating thereto, the following serial numbers and entries should be substituted, namely:—  
2. Shri R. K. Anand,  
Director, Ministry of Industry,  
Department of Industrial Development.  
3. Shri K. Marga Banthu”.

[F. No. 2(44)/77-C.U.C]

B. ROY, Joint Secy.